Timax®

अलंकार

NEP 2020
ENHANCED EDITION

हिंदी व्याकरण

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

4

अलंकार हिंदी व्याकरण -4

पृष्ठ संख्या आठ

1. (क) मौखिक (ख) लिखित (ग) देवनागरी (घ) लिखना
2. (क) विचारों का आदान-प्रदान भाषा है। इसके दो रूप हैं।- मौखिक व लिखित भाषा।
   (ख) जब हम लिखकर अपने विचारों को प्रकट करते है।
   (ग) हिंदी- देवनागरी, अंग्रेजी- रोमन
   (घ) चीन-चीनी, जापान-जापानी, फ्रांस - फ्रैंच, ब्रिटेन- अंग्रेजी
   जर्मनी-जर्मन
3. (क) भाषा (ख) विचार (ग) देवनागरी (घ) लिपि
4. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓
5. (क) (iv) (ख) (v) (ग) (ii) (घ) (I) (ङ) (iii)

करें और सीखें

भारतीय	विदेशी
गुजराती	जर्मज
पंजाबी	फ्रैंच
तेलुगू	जापानी
मलयालम	चीनी
तमिल	अरबी

पृष्ठ संख्या 15

1. (क) आँख (ख) अ (ग) फ़
2. (क) अ
   (ख) जो अन्य भाषाओं से हिंदी में आकर मिल गई वे आगत ध्वनियाँ हैं।
   (ग) स्वर स्वतंत्र रूप से बोले जाते हैं जबकि व्यंजनों के उच्चारण के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है।
   (घ) स्वर रहित व्यंजन के नीचे लगने वाली तिरछी रेखा हलंत कहलाती है।
3. (क) हलंत (ख) स्वतंत्र (ग) संयुक्त
   (घ) 33 (ङ) नाक और मुँह
4. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✗
5. (क) स् + अ + ब् + ज़् + ई (ख) द् + ई + व् + आ + र् + अ
   (ग) क् + अ + छ् + उ + आ (घ) र् + ओ + क् + अ + र् + ई
6. (क) कॉलेज कॉपी
   (ख) सड़क धड़क
   (ग) क्षत्रिय कक्षा

करें और सीखें

(क) मक्खी (ख) स्वच्छ
(ग) खड्डा (घ) बिल्ली, शेखचिल्ली, दिल्ली

पृष्ठ संख्या 19

1. (क) इंडिया गेट (ख) मोर (ग) बच्चे (घ) डॉक्टर (ङ) शब्द
2. (क) वर्णों का सार्थक मेल शब्द कहलाता है।
   (ख) शब्दों का सार्थक मेल वाकय बनाता है।
   (ग) सार्थक-जिन शब्दों का अर्थ हो।
   (घ) उद्देश्य और विधेय
3.

	सार्थक	**निरर्थक**
(क)	लड़का	वोतल
(ख)	सैनिक	विडिया
(ग)	जेल	बेल
(घ)	बोतल	वड़का
(ङ)	चिड़िया	वैनिक

4.

(क)	उद्देश्य	विधेय
	आरती	विद्यालय पहुँच गई।
(ख)	सुनील के पिताजी	बाज़ार गए है।
(ग)	चिकित्सक	इलाज़ करता है।
(घ)	बच्चा	खेल रहा है।
(ङ)	माँ	खाना पका रही है।

5. (क) शिमला की राजधानी हिमाचल प्रदेश है।
   (ख) गंगा हिंदुओं की पवित्र नदी है। (ग) अशोक के पास एक कार है।
   (घ) महात्मा गाँधी की समाधि को राजघाट कहते हैं।
   (ङ) विराट कोहली ने मैच जीता।

करें और सीखें

(क) शिमला (ख) मुमताज़ (ग) कश्मीर (घ) सुबोध
(ङ) बादशाह (च) महाराजा (छ) मीटर (ज) ताज़महल

पृष्ठ संख्या 25

1. (क) मनुष्यता (ख) हिमालय, चाचा नेहरू
   (ग) बचपन
2. (क) किसी वस्तु, व्यक्ति, स्थान, प्राणी या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
   (ख) जो शब्द किसी व्यक्ति या वस्तु की स्थितियाँ अवस्था, गुण, दशा, भाव आदि का बोध कराए, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।
   (ग) व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक, समुदाय व द्रव्यवाचक
   (घ) वस्तुवाचक संज्ञा विशेष व्यक्ति, प्राणी या स्थान या वस्तु का बोध कराते हैं जबकि जातिवाचक संज्ञा में किसी प्राणी, वस्तु या स्थान की पूरी जाति का बोध होता है।
3. (क) सरदी (ख) घर
   (ग) आम (घ) चाचा नेहरू

करें और सीखें

(क) ताजमहल, दिल्ली, मुंबई (ख) घोड़ा, किताब, दही, घर

(ग) प्यार, मिठास, बुढ़ापा, खट्टा, विराट

(घ) सोना, दूध (ङ) समुदायवाचक- समूह, सभा

पृष्ठ संख्या 31

1. (क) मादा खरगोश (ख) विद्वान
2. जिस संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति व स्त्री जाति का पता चले उसे लिंग कहते हैं। इसके दो भेद हैं-

   (क) पुल्लिंग स्त्रीलिंग

   (ख) पुल्लिंग से पुरुषजाति का बोध होता है।
   स्त्रीलिंग से स्त्रीजाति का बोध होता है।

   (ग) लिंग की पहचान क्रिया, विशेषण और वाक्य प्रयोग द्वारा की जाती है।
3. **नर रूप** **मादा रूप**

   (क) नर मछली (ख) मादा तोता

   (ग) नर मक्खी (घ) मादा उल्लू

   (ङ) नर कोयल (च) मादा मच्छर
4. (क) गाता (ख) गया (ग) गई (घ) सिलवाना (ङ) धोता
5. (क) मेरा घर बहुत सुंदर है। (ख) दवात में से स्याही गिर गई।

   (ग) पिताजी को चोट लग गई। (घ) बच्चों ने गीता गाया।

करें और सीखें

बच्चे स्वयं करें

पृष्ठ संख्या 35

1. (क) पत्रिकाएँ (ख) पुलिस (ग) दोनों
2. शब्द के जिस रूप से उसके एक व अनेक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते है।

   (क) इसके दो भेद होते हैं।

   (ख) वस्तु के एक होने का बोध होता है एकवचन में जबकि एक से अधिक होने का बोध बहुवचन में होता है।

   (ग) लड़की खेलती है।
   लड़कियाँ खेलती हैं।
   अमन पढ़ता है।
   अमन व प्रिया पढ़ते हैं।
3. (क) खरीदी (ख) खड़ी हैं

   (ग) खरीदी (घ) लगा
4. (क) (ख)

   (ग) (घ)

5. **एकवचन** **बहुवचन**

(क) महिला	कुत्ते
(ख) सब्ज़ी	कपड़े
(ग) दिशा	गमले
(घ) धातु	कहानियाँ
(ङ) बेटा	रोटियाँ

6. (क) छात्र कक्षाओं से बाहर निकले (ख) टिड्डियों ने फ़सल खराब कर दी।
(ग) उन्होंने हमारे लिए मालाएं तैयार की।
(घ) बच्चे हँस रहे हैं।

करें और सीखें

(ख) दवाइयाँ (ग) कुरसियाँ (घ) परियाँ (ङ) रोटियाँ
(च) बिल्लियाँ (छ) झोंपड़ियाँ

पृष्ठ संख्या 39

1. (क) अनुपस्थित (ख) सूर्यास्त (ग) प्राचीन (घ) पतन
2. किसी शब्द का उलटा अर्थ बताने वाला
(क) शब्द विलोम कहलाता है। (ख) विलोम शब्द
(ग) विपरीतार्थक या विपरीत (घ) उपकार, दुर्जन, प्रेम
3. (क) शत्रु (ख) पक्के (ग) निरपराध (घ) अंत (ङ) दंड
4. (क) परतंत्र (ख) पतन (ग) अपवित्र (घ) साक्षर
(ङ) दंड (च) सरल (छ) व्यय (ज) निरादर

करें और सीखें

1. निर्धन 2. धर्मी 3. अज्ञान

पृष्ठ संख्या 45

1. (क) दोनों (ख) कौन (ग) व्यक्ति (घ) स्वयं
2. छह भेद हैं-
(क) पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक
संबंधवाचक, प्रश्नवाचक, निजवाचक
(ख) जिस सर्वनाम से किसी निश्चित, व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है वह निश्चयवाचक सर्वनाम होता है जबकि अनिश्चयवाचक सर्वनाम में किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं होता।
(ग) जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग प्रश्न पूदने के लिए किया जाता है।
(घ) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
3. (क) सो (ख) तुम्हें (ग) हम (घ) मैं (ङ) आप
4. (क) यह — निश्चयवाचक
(ख) कौन — प्रश्नवाचक
(ग) उसे — पुरुषवाचक

(घ) हमारे — पुरुषवाचक
(ङ) मैंने — पुरुषवाचक

5. (क) दरवाज़े पर कोई आया है। (ख) यह पैन इनका है।
(ग) आप यहाँ से चले जाइए। (घ) हमने मिलकर संतरे खाए।
(ङ) पिक्चर कौन लाया था?

करें और सीखें

वह भोजन, उस को, उसके, वह अंगूरों को, वह सफ़ल, वह, यह कहते हुए।

पृष्ठ संख्या 49

1. (क) दोनों (ख) सोना (ग) दो
2. (क) जिन शब्दों से किसी व्याम का करना या होना पाया जाता है, उसे क्रिया कहते हैं। इसके दो भेद हैं।
(ख) अकर्मक क्रियाओं में कर्म नहीं होताा जबकि सकर्मक क्रियाओं में कर्म होता है।
(ग) सकर्मक क्रिया की पहचान क्या किया? प्रश्न पूछकर की जाती है।

3. **कर्ता** **क्रिया**
(क) () (ख) () (ग) () (घ) (ङ)
4. (क) उसको देखकर सब हँसने लगे। (ख) विद्यार्थी परीक्षा भवन में बैठे हैं।
(ग) भक्त नदी में नहाते हैं।

करें व सीखें

(क) **सकर्मक**	**अकर्मक**
पढ़ना	भागना
देना	बैठना
खरीदना	भागना
बेचना	डूबना
उगना	चलना

पृष्ठ संख्या 54

1. (क) थोड़ा पानी (ख) चार (ग) संकेतवाचक (घ) सुंदर
2. संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बताने वाले
(क) शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। इसके चार भेद हैं।
(ख) विशेषण की विशेषता बताने वाले शब्द प्रविशेषण कहलाते हैं।
(ग) जो सर्वनाम संज्ञा से पहले लगकर उसकी विशेषता बताते हैं व सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।

3. **विशेषण** **विशेष्य**
(क) कोई जानवर
(ख) गीले कपड़े

(ग) दो मीटर कपड़ा
(घ) सफ़ेद फूल
(ङ) पहाड़ी स्थान

4. (क) शैक्षिक (ख) स्वादिष्ट (ग) दयालु (घ) सुखी
(ङ) दोष (च) अनुभवी

करें और सीखें

मेरी कक्षा अध्यापिका बहुत सुंदर हैं। वह हमें प्यार से पढ़ाती हैं। वह दयालु व हँसमुख हैं। वह धार्मिक विचारों की महिला हैं तथा बच्चों के साथ-साथ स्वयं भी परिश्रम करती हैं इसलिए वह परिश्रमी भी हैं। मुझे अपनी कक्षा अध्यापिका अच्छी लगती है।

पृष्ठ संख्या 58

1. (क) आठ (ख) दोनों (ग) अरे (घ) के लिए
2. (क) आठ
(ख) कारक का ज्ञान कराने वाले चिह्न परसर्ग कहहलाते हैं।
(ग) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप में उसका संबंध वाक्य की क्रिया या अन्य शब्दों से ज्ञात हो, वह कारक कहलाता है।
(घ) ने, को, से, के लिए, से (जुदाई), का, के, की, में, पर, हे! अरें!
3. (क) सड़क पर मत भागों। (ख)महेश के पिता वकील हैं।
(ग) मैंने उसे पढ़ने के लिए पुस्तक दी। (घ) पर्वत से झरना बह रहा था।
4. (क) अपादान (ख) सम्प्रदान (ग) कर्ता (घ) कर्म

करें और सीखें

बच्चे स्वयं लिखें

(क) ने (ख) को (ग) करण से, के द्वारा
(घ) के लिए, को (ङ) से (च) का, के, की, रा, रे, री
(छ) में, पर (ज) हे! अरे!

पृष्ठ संख्या 61

1. (क) तीन (ख) वर्तमान काल (ग) भविष्यत्काल
2. (क) क्रिया के जिस रूप से काम करने की जानकारी मिलती है, उसे काल कहते हैं।
(ख) तीन
(ग) क्रिया के जिस रूप में काम के वर्तमान समय की जानकारी मिलती है।
(घ) क्रिया के जिस रूप से काम के बीते हुए समय में होने की जानकारी मिलती है वह भूतमाल होता है तथा क्रिया के जिस रूप से काम के आने वाले समय में होने की जानकारी मिलती है वह भविष्यत् काल कहलाता है।
3. (क) वर्तमान काल (ख) भविष्यत्काल (ग) भूतकाल (घ) भविष्यत्काल

करें और सीखें

	वर्तमान	**भूतकाल**	**भविष्यत् काल**
(क)	भागता	पढ़ा	लिखेगा

(ख) चलता गाया भागेगा
(ग) लिखता लिखा पढ़ेगा
(घ) खाता चला चलेगा

पृष्ठ संख्या 65

1. (क) ? (ख) पूर्ण विराम (ग) विस्मयादि बोधक (!)
2. (क) लिखते समय रूकने के लिए लागए गए चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं। रुकने का संकेत देते हैं।
   (ख) पूर्ण विराम, अलपविराम, प्रश्नवाचक चिह्न विस्मयादि बोधक चिह्न
   (ग) अल्प विराम-वाक्य में किसी स्थान पर थोड़ी देर के लिए रुकने पर प्रयोग हेाता है। पूर्ण विराम- वाक्य के अंत में लगता है।
3. (क) रेखा, सुरेश, दिशा और आनंद विद्यालय जाते हैं।
   (ख) क्या आप मेरे बारे में जानते हैं?
   (ग) छिः! यहाँ कितनी बदबू फैली हुई है।
4. (!) विस्मयादिबोधक
   (!) अल्पविराम
   (!) पूर्णविराम
   (!) प्रश्नवाचक

करें और सीखें

बैठा था। रोटी थी। लोमड़ी बोली, कौए भाई! तो सुनाना। नहीं सुना। गाते हो। पकड़ ली। गाने लगा। रखकर भागी। नहीं, बना पाई।

पृष्ठ संख्या 69

1. (क) कटक (ख) सुमन (ग) खग
2. (क) समान अर्थ बताने वाले शब्दों को पर्यायवाची कहते हैं।
   (ख) चपला, चंचला, विद्युत (ग) समानार्थी या समानार्थक
   (घ) शिक्षक अध्यापक आचार्य
   दास नौकर चाकर
3. (क) (ख) (ग) (घ)
   (ङ)
4. (क) सरिता (ख) नेत्र (ग) वायु (घ) दर्प
   तटिनी नयन पवन अहंकार
   (ङ) पानी (च) मृग
   नीर
5. (क) गंगा भागीरथी मंदाकिनी
   (ख) शशि राकेश चंद्रमा
   (ग) गृह सदन भवन

करें और सीखें

नदी	-	तटिनी, सरिता
वायु	-	अनिल, समीर
दुर्गा	-	चंडिका
शिव	-	त्रिलोचन, शंभु
गिरि	-	पर्वत, पहाड़
अग्नि	-	पावक, आग

पृष्ठ संख्या 72

1. (क) पूर्वाह्न (ख) अनाथ (ग) वाचाल (घ) स्वदेशी (ङ) दुर्लभ
2. (क) भाषा को सरल, आकर्षक व प्रभावशाली बनाने के लिए इनका प्रयोग किया जाता है।
   (ख) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करके
3. (क) मूक (ख) वाचाल (ग) कामचोर (घ) प्राचीन
4. (क) मतलबी (ख) दुर्लभ (ग) पाक्षिक (घ) साथी
   (ङ) संग्रहालय
5. (क) (ख) (ग) (घ) (ङ)
6. (क) अनाथ (ख) वार्षिक (ग) स्वदेशी (घ) प्राचीन
   (ङ) मतलबी

करें और सीखें

(क) आज्ञाकार (ख) परोपकारी (ग) प्राचीन (घ) दुर्लभ
(ङ) अमूल्य (च) सहपाठी (छ) सेवक

पृष्ठ संख्या 76

1. (क) सजा (ख) सामान्य (ग) हथोड़ा
2. (क) जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं।
   (ख) कनक- गेहू, धतूरा
   तीर- बाण, किनारा
   काल- मृत्यु, समय
   कुल - वंश, सब
   भेद - प्रकार, रहस्य
3. (क) हिंदी वर्णमाल में 33 वर्ण हैं। (ख) हरि बंदर को भी कहते है।
   (ग) भारत की मुद्रा रुपया है। (घ) आओ! तुम्हें भेद की बात बताती हूँ।

करें और सीखें

(क) पत्ता- समूह (ख) बच्चा, सिर के बाल
(ग) वर्ण- अक्षर, जाति (घ) कपड़ा, दरवाजा
(ङ) भेद- रहस्य, प्रकार (च) कार्य, कामदेव

पृष्ठ संख्या 78

1. (क) चीरना (ख) तलवार (ग) वीर
2. (क) जो शब्द उच्चारण में समान पर अर्थ में अलग होते हैं।
   (ख) अवधि - समय (ग) अवधि - भाषा
3. (क) दैव (ख) तुरंग (ग) कुल (घ) चीर (ङ) अली
4. (क) मेरे चाचाजी कृपण हैं।
   मेरे पास कृपाण भी है।
   (ख) पुरुष मूछें रखकर अच्छे दिखते हैं।
   पुरुष को पुरुष नहीं होना चाहिए।
   (ग) मंदिर में प्रसाद वितरित हो रहा था।
   जयपुर के प्रसाद अत्यंत सुंदर है।
   (घ) ईश्वर के आगे नत शित करो।
   हमें नित नए कार्य करते रहने चाहिए।

करें और सीखें

(क) अन्य (ख) आमास (ग) ग्रह (घ) मास
(ङ) नीर (च) दैव (छ) तरंग (ज) कृपण
(झ) जलद (ञ) कूल

पृष्ठ संख्या 81

1. (क) श्रीमती (ख) स्वास्थ्य (ग) बीमारी (घ) दवाइयाँ
2. (क) जब हम अशुद्ध लिखते हैं।
   (ख) व्याकरण के द्वारा दूर किया जा सकता है।
3. (क) परीक्षा (ख) शीर्षक (ग) वैज्ञानिक (घ) दर्शनीय
4. (क) मिनट (ख) आशीर्वाद (ग) त्योहारों (घ) प्राण

करें और सीखें

(क) आगे विद्यालय है, कृपया धीरे चलें।
(ख) खरीदी गई वस्तु वापस नहीं होती।
(ग) इस दुकान पर राशन का सारा सामान मिलता है।

पृष्ठ संख्या 85

1. (क) पछताना (ख) बहुत परिश्रम करना
   (ग) क्रोध को बढ़ाना
2. (क) जो सामान्य अर्थ छोड़कर विशेष अर्थ प्रकट करते हैं।
   (ख) सुंदर व प्रभावी बनाने के लिए इनका प्रयोग करते हैं।
3. (क) () (ख) () (ग) () (घ) ()
4. (क) पहले ही पेपर में नं0 कम आए थे ऊपर से घर आकर मुझसे गिलास भी टूट गया इससे मेरे इस कार्य ने आग में घी डालने का कार्य किया।
   (ख) बच्चों की छोटी-छोटी बाते माता-पिता की खुशी में चार-चाँद लगा देती हैं।

(ग) 90ः अंक लाने के लिए बच्चों को बहुत से पापड़ बेलने पड़ेते हैं।

(घ) समीप के चुपचाप बैठने से माँ को लगा कि दा में कुछ काला अवश्य है।

(ङ) रानी झाँसी ने युद्ध में अंग्रेजों के दाँत खट्टे कर दिए।

5. (क) नानी याद आ गई। (ख) चिकना घड़ा।

(ग) आस्तीन का साँप निकला। (घ) कमर कस लो

करें और सीखें

(क) घड़ा (ख) कमर (ग) पत्थर (घ) दम

(च) से ईंट

पृष्ठ संख्या 88

1. (क) हमारी शान का (ख) प्रधानमंत्री

(ग) स्वतंत्रता दिवस पर (घ) दोनों

(ङ) (1) लाल किला दिल्ली (2) अमन

2. (क) आनंद से मनाया जाने वाला उत्सव

(ख) मेलजोल (ग) पोंगल (घ) उत्तर (ङ) भारतीय त्योहार

3. (क) वीरता (ख) गुण (ग) दोनों (घ) जंगल का राजा

(ङ) निरर्थक (च) हिंसक

पृष्ठ संख्या 91

भारतीय किसान

भारतीय किसान बड़ा कठोर जीवन जीता है। वह धरती को अपने परिश्रम से सींचकर उस पर फल उगाता है। भारत के अधिकाश किसान गरीबी में जीते हैं। छोटे-छोटे किसान दिन-भर मेहनत करके भी भरपेट खाना नहीं खा पाते। महात्मा गाँधी ने कहा था 'भारत का ह्रदय गाँवों में बसता है' इस का कारण किसान ही थे। देश को अन्न पहुँचाने का कार्य किसान करते हैं लेकिन स्वयं भूखे रह जाते हैं। कभी ओलावृष्टि के कारण उनकी फ़सले खराब हो जाती हैं। किसान से फ़सल खरीदकर यदि सरकार उसे ऊँचे दामों पर बेचे तो भारतीय किसान भी खुशहाल होगा तभी लालबहादुर शास्त्री जी का नारा 'जय जवान जय किसान' सार्थक हो पाएगा।

मेरे जीवन का लक्ष्य

अभी मैं बहुत छोटी हूँ पर मेरे पापा मेरे जन्मदिन पर मुझे वृद्धाश्रम या अनाथालय लेकर जाते हैं। वहाँ उन बच्चों और बूढ़े लोगों को देखकर मुझे बहुत दुख होता है। मेरा मन करता है मैं इनके लिए कुछ करूँ। मैं चाहती हूँ कि लोगों को अपने माता-पिता को वृद्धाश्रम न भेजना पड़े। मेरी मम्मी ने मुझे बाबा आम्टे के बारे में बताया तो मुझे उनका व्यक्तित्व अच्छा लगा। बड़े होकर मैं भी समाज-सेवा करके अपने छोटे से ह्रदय को संतुष्ट करना चाहती हूँ।

हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर

मोर कितना प्राणी है। उसके पंखों पर बिखरी रंग-बिरंगी छटा उसे और भी सुंदर बना देती है। बादलों का गर्जन उसे नृत्य करने पर मज़बूर कर देता है। वर्षा की हल्की हल्की बौछार कें नृत्य करता मोर दिल को भा जाता है। हमारा गाँव 'चरखी दादरी' के पास है वहाँ हर दिन बहुत से मोर

दिखाई देते हैं। बादल छाते ही पीहू-पीहू की आवाज़ सुनाई देने लगती है। इसे राष्ट्रीय पक्षी इसलिए भी बनाया गया यह बहुत सुंदर और दुर्लभ प्राणी है। इसके पैर सुंदर नहीं होते। कहते है जब यह अपने पैरों को देखता है तो रोता है। मोर साँप का कट्टर दुश्मन है। कुछ भी हो मुझे मोर बहुत प्यारा लगता है।

बाल-दिवस

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू को बच्चे बहुत पसंद थे। वे उन्हें चाचा नेहरू कहकर बुलाते थे। इसलिए उनके जन्मदिन 14 नवम्बर को हम बाल-दिवस के रूप मेंमनाते है। बाल दिवस के दिन बच्चे स्कूलों में बाल सभा करते हैं। इस दिन बच्चों को चॉकलेट और लड्डू खाने को मिलते हैं। बाल दिवस मनाने का उद्देश्य का उद्देश्य चाचा नेहरू द्वारा किए गए कार्यों को याद करना। बच्चे बहुत खुश होकर रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर स्कूल जाते हैं और उत्साह के साथ इस दिन को यादगार बनाते हैं।

योग का महत्त्व

प्रदूषण की समस्या पूरे विश्व में दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। मनुष्य अनेकानेक बीमारियों का शिकार बनते जा रहे हैं। ऐसे समय में एक योगा ही है जो हमें इन बीमारियों से न केवल बचा सकता है अपितु स्वस्थ जीवन जीने की कला भी सीखा सकता हैं योग भारतीय परमपरा में प्राचीन समय से ऋषि मुनि करते आए है। योग करने से हमारी मांस-पेशियाँ सुदृढ़ होती है। शरीर लचीला हो जाता है। दूषित वायु फेफड़ों से बाहर निकल हमारे शरीर को स्वास्थ्य को प्रदान करती हैं प्रधामंत्री मोदी जी ने 21 जून को योग-दिवस के रूप में चलाकर पूरे विश्व को योगमय बना दिया है। योग गुरु रामदेव ने भी जगह-जगह शिविर लगाकर योग का प्रचार किया। अंत में केवल इतना ही कि योग शरीर को स्वस्थ व निरोगी बनाता है इसलिए सुबह-सवेरे इसे करके आप सारा-दिन चुस्त व फुर्तीले बने रह सकते हैं।

पृष्ठ संख्या 94

(क) सेवा में,

संपादक महोदय,

दैनिक जागरण,

दिल्ली।

विषयः ध्वनि प्रदूषण की समस्या हेतु पत्र।

मान्यवर

मैं समयपुर बादली का आम नागरिक हूँ और वहाँ होने वो ध्वनि प्रदूषण से परेशान होकर आपको पत्र लिख रहा हूँ। हमारे क्षेत्र में बहुत से कारखाने है वहाँ हर दिन मालिकों का सामान भी आता जाता है लेकिन ये गाड़ियों वाले इतना हॉर्न बजाते हैं कि घर पर रहना भी मुश्किल हो जाता है। ऊपर से आए दिन कही न कहीं जागरण होता रहता है, जिसमें लाउडस्पीकर पूरी स्पीड से बजाकर ध्वनि प्रदूषण करते रहते हैं। आपसे अनुरोध है कि आप हमारी समस्या को अखबार में छापें ताकि संबंधित अधिकारी इसे पढ़कर उस पर कार्यवाही कर सकें।

धन्यवाद।

भवदीय,

यतिन (सभी क्षेत्रवासी)

.. जनवरी, 20..

2. सेवा में,

प्रधानाचार्य जी,

केंद्रीय विद्यालय,

दिल्ली।

विषयः शीशा टूटने पर माफी माँगते हुए पत्र।

महोदय,

मैं कक्षा चौथी का छात्र हूँ। अभी कुछ देर पहले मध्यांतर के समय खाना खाकर कुछ बच्चे गेंद से खेल रहे थे। मैंने भी उनका सभी दिया और गेंद सीधे कक्षा की खिड़की को तोड़ती हुई बाहर जा गिरी। मैं तथा मेरे साथी आपसे क्षमा माँगते है और वादा करते हैं कि दुबारा ऐसी गलती नहीं करेंगे। आशा है आप हमें हमारी पहली गलती पर क्षमा कर देंगे।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

अमन (कक्षा चौथी के विद्यार्थी)

.. जनवरी, 20..

प्रिय भाई,

नमस्कार।

भाई तुम कैसे हो? हम यहाँ कुशल-मंगल से हैं। कल तुम्हारे प्रधानाध्यापक का फोन आया था उन्होंने बताया कि तुम खेलों तथा व्यायाम में हिस्सा न लेकर अपने कमरे में बैठकर पढ़ते रहते हो। प्रिय भाई, पढ़ना बहुत अच्छा है पर यदि हम स्वस्थ रहना चाहते हैं और पढ़ाई में अपनी एकाग्रता बनाए रखना चाहते हैं तो हमें खेलों में भाग भी अवश्य लेना चाहिए। खेलने से शरीर तंदरुस्त रहता है और योग करने से हम बहुत सी बीमारियों से स्वयं को बचाए रख सकते हैं। इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलों भी और योग भी करो ताकि बड़ी कक्षाओं में अपनी एकाग्रता को बनाए रख सकों।

तुम्हारा भाई,

हर्षवर्धन

आदरणीय चाचा जी,

सादर प्रणाम।

चाचा जी, आज ही आपके द्वारा भेजी गई अलार्म घड़ी मिी। जिसे देखकर में बहुत खुश हुआ क्योंकि मैं कई दिनों से पिताजी को कह रहा था कि सर्दियों में सुबह देर से उठने के कारण मैं कई बार कक्षा में देर से पहुँचा हूँ जिस कारण मुझे अध्यापिका से डाँट भी पड़ी है। आपने मेरी समस्या का समाधान ही नहीं किया अपितु मुझे ढेर से खुशी भी दी है। आप जल्द से जल्द दिल्ली आइए दादी जी आपको रोज़ याद करती हैं और आपकी बचपन की शरारतों के बारे में हमें बताती है। घर में चाचा जी को चरणस्पर्श तथा प्रेरणा और समीप को प्यार देनां

आपका भतीजा,

गौरव

पृष्ठ संख्या 96

ईमानदार लकड़हारा

एक लकड़हारा था। वह बहुत गरीब था। हर रोज़ जंगल से लकड़ियाँ काटकर लाता, उन्हें बाज़ार में बेचकर अपनी जीविका चलाता था। उसके पास लकड़ी काटने वाली कुल्हाड़ी थी। एक दिन लकड़ी काटते समय कुल्हाड़ी पानी में गिर गई। लकड़हारा रोने लगा क्योंकि तालाब गहरा था। उसे चिंता थी कि वह अपने परिवार को भोजन कैसे खिलाएगा।

उसे रोता देख देवता प्रकट हुए और उसके रोने का कारण पूछा- लकड़हारे ने कुल्हाड़ी के तालाब में गिरने की बात बता दीं देवतना ने पानी में डुबकी लगाई और सोने की कुल्हाड़ी लेकर बाहर आए और लकड़हारे से कहा- ये तो कुल्हाड़ी अब रोना बंद करों। पर लकड़हारे ने कहा- यह उसकी कुल्हाड़ी नहीं है। देवता ने फिर से पानी में छलाँग लगाई और इस बार चाँदी की कुल्हाड़ी लाकर लकड़हारे से कहा- ये लो तुम्हारी कुल्हाड़ी। लाकर लकड़हारे से कहा- ये लो तुम्हारी कुल्हाड़ी। पर लकड़हारे ने उसे भी लेने से इंकार कर दिया। वह बोला- वह बहुत गरब है उसकी कुल्हाड़ी तो लोहे की है। देवता ने फिर डुबकी लगाई और इस बार उनके हाथ में लोहे की कुल्हाड़ी थी इसे देख लकड़हारा प्रसन्न हो गया और देवता को धन्यवाद देकर जाने लगा।

पर देवता ने उसे रोककर कहा- तुम गरीब होकर भी इतने ईमानदार हो। इसलिए सोने व चाँदी की दोनों कुल्हाड़ियाँ भी मैं तुम्हें देता हूँ। लकड़हारा प्रसन्न हो गया, उसने देवता का धन्यवाद दिया और खुशी-खुशी अपने घर चला गया।

व्यापारी और गधा

एक व्यापारी था उसके पास एक गघा था। वह गधे पर सामान लादकर शहर बेचने जाता था। एक बार की बात है कि व्यापारी को नमक की बोरियाँ सस्ते में मिल गई उसने वह गधे पर लादी और शहर बेचने चल पड़ा। गाँव और शहर के रास्ते में एक कम हरी नदी पड़ती थी जिसे पास करके व्यापारी और गधा शहर जाते थे।

नदी पार करते समय गधा पानी पीने के लिए झुका और नमक पानी में घुलने लगा कुछ ही देर में गधे का भार हल्का हो गया। व्यापारी निराश होकर गधे को लेकर गाँव लौट आया। अगले दिन फिर व्यापारी ने गधे पर नमक लादा और शहर की ओर चल दिया। जैसे ही गधा नदी के बीच में पहुँचा जानबूझकर वह झुक गया और सारा नमक पानी में घुल गया। व्यापारी निराश तो हुआ पर वह गधे की चालाकी भी समझ गया।

अगले दिन व्यापारी ने गधे पर नमक न लादकर रूई लाद दी। गधा खुश कि आज तो भार कम है। जैसे ही नदी के बीच में गधा पहुँचा आदत के मुताबिक फिर उसने डुबकी लगा दी। पर यह क्या पहले हल्की रूई अब बहुत भारी हो गई क्योंकि उसमें पानी भर गया। लड़खड़ाता गधा स्वयं को कोस्त्रता हुआ बाज़ार की ओर जा रहा था और अपनी मूर्खता पर रो भी रहा था। आज व्यापारी खुश था क्योंकि उसने गधे को मजा चखा दिया था।

अलंकार हिंदी व्याकरण

Interactive Resources

- Download the free app 'Green Book House' from google play.
- Free online support available on 'www.greenbookhouse.com'.
- Ample teacher's support available.

GREEN BOOK HOUSE
(EDUCATIONAL PUBLISHER)
F-214, Laxmi Nagar, Mangal Bazar, Delhi-110092
Phone : 9354766041, 9354445227
E-mail : greenbookhouse214@gmail.com
Website: www.greenbookhouse.com